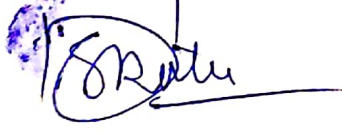
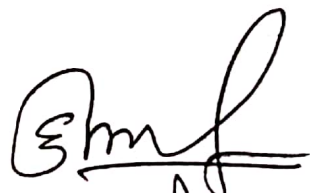


15

आज दिनांक 11/07/15 को प्रतिवादी सरका
 भुरगी पिता रावजी पावगी निवानी राजवेडा द्वारा
 उपस्थित हो इन्हें आवाज का कथन किया।
 कि वादीगण एवं उनके मध्य एक वाद बनकर
 धारा 53 राज टी. एक्ट के तहत विचाराधीन है,
 जिसमें यदि आधारी सहमति से हमारे खाता
 का बँटवारा कर दिया जावे, तो प्रतिवादी को
 आपत्ति नहीं है अतः बँटवारे की प्रा. दिवी
 प्रतिवादी की सहमति के आधार पर जारी
 करने का आदेश दिया जाता है। (भुरगी)
 प्रतिवादी की तुरदीक परवरी रात दिव
 द्वारा की गई।

 _____

 मन्ती _____


 परवरी रात दिव